SN – 071

III Semester B.B.M./B.H.M. Examination, Nov./Dec. 2014
(Semester Scheme)
(Freshers)
(2014-15 and Onwards)
HINDI LANGUAGE (Paper – III)
Natak, Pathra Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द, वाक्यांश या वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

1) लौका ने पंचों को अपने घर क्यों बुलाया ?
2) विश्वामित्र का पार्ट कौन करनेवाला था ?
3) सतयुग का राजा कौन था ?
4) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' के नाटककार कौन हैं ?
5) देवधर के मित्र का नाम क्या है ?
6) हरिश्चन्द्र को कौन खरीदता है ?
7) पतुरिया कितनी मुद्राएँ देकर शव्या को खरीदती है ?
8) रोहित की हत्या कौन करता है ?
9) नाटक में नारद की भूमिका कौन निभाता है ?
10) मरघट का नियम क्या था ?

II. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(3×8=24)**

1) कैसा बेकार का सड़ा लोक है, इसके लिए इतना किया जाता है, पर यह नमक हराम है।
2) गांव के लोग राजनीति के दांवपेच कभी नहीं समझ सकते। भावना पर जीते हैं ? इन्हें भावना के ही डंडे से हांकिए।
3) महाज्ञानी से दान–धर्म के उस रहस्य को जानना चाहता हूँ, जिसके कारण एक लेनेवाला बनता है, दूसरा देने वाला।
4) दूर करो इसे मेरी आंखों के सामने से। किया है अपमान मेरे विलास का। मुझे चाहिए विलासिनी, नहीं चाहिए यह संन्यासिनी।

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×16=32)**

1) ‘शोषण और दंड का माध्यम कभी धर्म रहा है, कभी राजनीति–इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
2) ‘एक सत्य हरिश्चन्द्र’ नाटक का सार लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3) ‘एक सत्य हरिश्चन्द्र’ नाटक में वर्तमान यथार्थों का चित्रण किया गया है – समझाइए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×7=14)**

1) देवधर
2) लौका
3) रोहित

V. समाज कल्याण–मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सचिव, भारत सरकार, गृह–मंत्रालय, नई दिल्ली – 2 को किसी कर्मचारी के सेवा की अवधि को बढ़ाये जाने की सूचना देते हुए एक अर्ध सरकारी पत्र लिखिए। **(1×10=10)**

अथवा

उपाध्यक्ष, रेलवे–सर्विस कमीशन, दक्षिण क्षेत्र–चेन्नई की ओर से टी. एक्स. आर. पद की चुनाव–परीक्षा में उत्तीर्ण हुए एक अभ्यर्थी को डॉक्टरी जाँच के लिए बुलाते हुए ज्ञापन लिखिए।

VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए : **(1×10=10)**

बापूजी की प्रेरणा से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा का स्थान मिला है। उन्होंने ही सुदूर दक्षिण में अपने विश्वास पात्र कार्यकर्ताओं को हिन्दी प्रचार करने के लिए भेजा। उनका विश्वास था कि संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बाँधने के लिए हिन्दी अत्यंत आवश्यक है। उनका स्पष्ट मत यह था कि बहुत दिनों तक किसी विदेशी भाषा को प्रशासनिक कार्यों में प्रयुक्त करना ठीक नहीं है। भारत एक बृहत् देश है। यहाँ प्रत्येक प्रांत की भाषा भिन्न हैं। राष्ट्रभाषा तथा प्रांतीय भाषाओं में कोई विरोध नहीं है। दोनों के क्षेत्र भिन्न–भिन्न एवं निश्चित है। राष्ट्रभाषा की उन्नति के साथ–साथ प्रांतीय भाषा एवं साहित्य की उन्नति वांछनीय है।